भावना – बुजुर्गों का परिवार

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

वरिष्ठ नागरिकों तथा निर्बल एवं असहाय जनों के हितों को समर्पित अखिल भारतीय समाजसेवी महासमिति।
सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत लखनऊ में पंजीकृत। पंजीयन संख्या : 662/2000–01

507, कसमन्डा अपार्टमेन्ट्स, 2, पार्क रोड, हज़रतगंज, लखनऊ – 226001, भारत

फोन: +91-522-4016048 **वेबसाइट:** www.bhavanaindia.org **ई.मेल:** bhavanasindia@gmail.com

समिति का उन्नीसवाँ वार्षिक महाधिवेशन – 11 मार्च, 2019
प्रमुख महासचिव का प्रतिवेदन (समिति की वार्षिक रिपोर्ट)

भावना के उन्नीसवें महाधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे संस्थापक विशिष्ट सदस्य व राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री विष्णु चन्द्र गुप्ता जी, मंचासीन सम्मानित विशिष्ट अतिथिगण, अन्य अतिथिगण, **भावना** की सदस्य संस्थाओं के सम्मानित पदाधिकारीगण, मीडिया के प्रतिनिधिगण, **भावना** के पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा देवियो! मैं **भावना** की ओर से एवं अपनी ओर से भी आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

मान्यवर, भारत में अभी वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 11 प्रतिशत है। चिकित्सा क्षेत्र में हुए नये–नये आविष्कारों के चलते एवं निजी स्वास्थ के प्रति अधिक जागरूकता एवं सतर्कता के कारण भारत के नागरिकों की औसत उम्र में निरन्तर वृद्धि हो रही है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 20 प्रतिशत हो जायेगी। ऐसी परिस्थिति में शासन की जिम्मेदारी है कि वह वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके सुचारू एवं सुरक्षित तथा आसान जीवन की व्यवस्था सुनिश्चित करे। अभी तक देश के वरिष्ठ नागरिकों ने अनुभव किया है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारें उनके प्रति संवेदनशील नहीं है। सरकारों की उदासीनता के कारण ही वरिष्ठ नागरिकों ने संगठित होकर स्वयं हित की योजनायें बनाने तथा उनके समयबद्ध कार्यान्वयन हेतु सरकारों को बाध्य करने का संकल्प लिया एवं देश भर में विभिन्न स्थानों पर वरिष्ठ नागरिक समितियों के गठन हुए। इसी दृष्टिकोण से **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति** की स्थापना भी वर्ष 2000 में की गयी।

भावना का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के हितलाभों को सुनिश्चित कराना एवं उनमें स्वावलम्बन, सहयोग, सहिष्णुता एवं सेवा की भावना बलवती करना है ताकि उनमें सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो एवं वे प्रसन्न, स्वस्थ एवं सार्थक जीवन सुचारू रूप से जी सकें। **भावना** ने अपने उद्देश्यों में समाज के कमजोर वर्गों, यथा, निराश्रित महिलाओं, बेसहारा बच्चों, दिव्यांगजनों, निर्बल एवं असहायजनों के कल्याण सरीखे विषयों को भी सम्मिलित किया है और यही सर्वजन हितकारी कार्यक्रम **भावना** को वरिष्ठ नागरिकों की अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से भिन्न बनाते हैं। **भावना** समाज के निर्बल एवं असहाय वर्ग के कल्याण हेतु कार्यों को प्रधानता देती है जबकि अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियां केवल वरिष्ठ नागरिकों के हित चिन्तन में ही लगी रहती हैं। **भावना** का प्रत्येक सदस्य स्वयं को समाज से जुड़ा महसूस करता है तथा यथासम्भव विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में अधिकाधिक सहयोग प्रदान कर प्रसन्नता महसूस करता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण **भावना**, उत्तर प्रदेश में ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष में सक्रिय वरिष्ठ नागरिक समितियों में प्रमुख स्थान रखती है। अब तक **भावना** के व्यक्तिगत सदस्यों की संख्या 950 के निकट पहुंच चुकी है। इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वरिष्ठ नागरिकों का हित–चिन्तन करने वाली 16 अन्य स्वैच्छिक संस्थायें **भावना** की संस्थागत सदस्य हैं। इस प्रकार सभी को मिलाकर सदस्यों की संख्या लाखों में हो जाती है। **भावना** का मुख्यालय लखनऊ में है। इसकी शाखायें ओबरा (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण सोनभद्र जनपद), उन्नाव (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उन्नाव जनपद), नोएडा (कार्यक्षेत्र दिल्ली/नई दिल्ली सहित सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) तथा यमुना एक्सप्रेस–वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी टाउनशिप – येडा (कार्यक्षेत्र निर्माणाधीन **भावना ओल्ड एज होम** परिसर) में स्थापित एवं क्रियाशील हैं।

अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न कार्यक्रमों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने हेतु **भावना** ने अधोवर्णित प्रकोष्ठों का गठन कर उनके दायित्वों का निर्धारण किया है। प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने दायित्वों के अनुरूप योजनायें बनाकर उन्हें कार्यान्वित करता है। प्रत्येक प्रकोष्ठ में संयोजक सहित आवश्यकतानुसार ऐसे सदस्यों का भी मनोनयन किया गया है जिनको सम्बन्धित कार्य/विषय में रुचि है।

क्रमशः....2

1. वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ, 2. शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, 3. ग्राम्यांचल एवं निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ, 4. सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ, 5. वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ, 6. प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ, 7. सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ, 8. महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, 9. पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ, 10. डे-सेन्टर प्रबन्धन प्रकोष्ठ, 11. संपादन प्रकोष्ठ, 12. विधि एवं आर.टी.आई. प्रकोष्ठ, 13. संसाधन प्रबन्ध प्रकोष्ठ, तथा 14. अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ।

मान्यवर, अब मैं विगत महाधिवेशन के बाद से अब तक **भावना** द्वारा किए गये, किए जा रहे तथा भविष्य में किए जाने वाले नियोजित कार्यक्रमों/योजनाओं का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष क्रमवार प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. लोकतांत्रिक व्यवस्था में संख्या बल का विशेष महत्व होता है। इसलिए **भावना** ने अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निर्धन व बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाली कुछ स्वैच्छिक संस्थाओं को अपने साथ जोड़ने एवं कुछ अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी है। ऐसा करना इसलिए आवश्यक था ताकि केन्द्र एवं राज्य सरकारों से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एकरूपता रहे। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **भावना** ने कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अंतरंग सम्बन्ध स्थापित किए हैं। जिनमें World U3A, U3A Asia Pacific Alliance, Helpage International, Helpage India, Help Your NGO, All India Senior Citizen Confederation (AISCCON), Indian Society of Universities of Third Age (ISU3A), Senior Citizen Confederations of Delhi, Uttarakhand, Chandigarh, Nepal and Daman तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद एवं वरिष्ठ नागरिक महासमिति, उत्तर प्रदेश प्रमुख हैं। **भावना** ने अबतक जिन 16 संस्थाओं को संस्थागत सदस्यों के रूप में अपने साथ जोड़ा है, उनके नाम तथा अन्य विवरण समिति द्वारा प्रकाशित सदस्यता सूची में निहित हैं।

2. **भावना** ने हेल्पेज इण्डिया सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियों के साथ मिलकर सम्मिलित प्रयास करके उत्तर प्रदेश सरकार से **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधिनियम** को 28 अगस्त, 2012 को अंगीकृत कराया तथा 14 फरवरी, 2014 को **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण नियमावली 2014** की अधिसूचना निर्गत कराई। इस नियमावली में निहित प्राविधानों को लागू कराने हेतु **भावना** निरंतर प्रयत्नशील हैं। कुछ प्राविधान लागू हो भी चुके हैं।

3. हेल्पेज इण्डिया, वरिष्ठ नागरिक महासमिति उत्तर प्रदेश तथा **भावना** द्वारा अन्य समितियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा **उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति** 21 मार्च, 2016 को निर्गत कराई। इसमें निहित प्राविधानों का अनुपालन कराने हेतु हम निरन्तर प्रयत्नशील हैं।

4. वरिष्ठ नागरिकों के हितों के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही के लिए केन्द्र एवं राज्यों में पृथक वरिष्ठ नागरिक कल्याण मंत्रालय गठित कराने हेतु हम निरंतर प्रयासरत रहे हैं एवं रहेंगे।

5. **शिक्षा सहायता योजनाः भावना** द्वारा वर्ष 2007 से प्रारम्भ करके निर्धन किन्तु मेधावी छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहायता पहुंचाने के उद्येश्य से प्रत्येक शिक्षा सत्र में कक्षा 8 तक के हर छात्र/छात्रा को 1200 रुपये, कक्षा 9 व 10 के हर छात्र/छात्रा को 1800 रुपये तथा कक्षा 11 व 12 के हर छात्र/छात्रा को 2000 रुपये की सहायता दी जाती है। शिक्षा सत्र 2018-19 में इस योजना के अन्तर्गत 28 विद्यालयों के 141 बच्चों को उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता दी गयी। इसके अतिरिक्त स्नातक स्तर के 6 बच्चों को भी 6000 रुपए प्रति छात्र की दर से सहायता दी गयी। इस योजना में इस शिक्षा सत्र में कुल 2,56,600 रुपये की सहायता दी गयी। श्री आश्वल दीक्षित एवं कु. कविता रावत को उनके क्रमशः कक्षा 12 एवं कक्षा 10 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए क्रमशः 15000 रुपए एवं 10,000 रूपए के **स्व. रमेश चन्द्र तिवारी स्मृति पुरस्कार** से सम्मानित किया गया और प्रशस्ति पत्र दिये गये।

भावना के **स्थापना दिवस समारोहों** में प्रति वर्ष उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता के अतिरिक्त सभी छात्र/छात्राओं को सदस्यों द्वारा उपहार भी दिए जाते रहे हैं। इस वर्ष भी समिति के **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** की सचिव श्रीमती अर्चना गोयल द्वारा कक्षा 8 तक के सभी छात्र/छात्राओं को तौलिए भेंट किये गये, श्रीमती मंजुला सक्सेना, श्री जितेन्द्र नाथ सरीन, श्री जगत बिहारी अग्रवाल तथा डा. नरेन्द्र देव ने मिलकर कक्षा 11 के बच्चों को एक एक कलाई घड़ी तथा कक्षा 12 के बच्चों को एक-एक कैलकुलेटर भेंट में दिए। कक्षा 9 तथा कक्षा 11 के **10 दृष्टि बाधित बच्चों** को एक-एक वाटर-बॉटल भी दी गई। श्री जगत बिहारी अग्रवाल द्वारा स्नातक कक्षाओं के तृतीय वर्ष की छात्राओं को एक एक मिलटन की केतली, द्वितीय वर्ष की छात्राओं को एक एक कैलकुलेटर तथा प्रथम वर्ष की छात्राओं को एक एक डाकूमेंट फोल्डर दिया गया। सभी छात्रों/छात्राओं को डॉ. नरेन्द्र देव द्वारा रचित

क्रमशः.....3

एवं **भावना** द्वारा प्रकाशित **बिना दवाओं के कैसे स्वस्थ रहें तथा दुर्व्यसनों के घातक रोगों से "मृत्यु एवं मुक्ति" कैसे** नामक लघु पुस्तिका भी भेंट की गई।

6. **अनौपचारिक शिक्षण योजना:** इस योजना के अन्तर्गत अत्यन्त गरीब/लावारिस बच्चों, जिन्हें हम Street Children कहकर सम्बोधित करते हैं, उनको साक्षर एवं संस्कारित करने का प्रयास किया जाता है। **भावना** ने इसी उद्देश्य से झुगी/झोपड़ियों की बस्तियों में **अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों** की श्रृंखला स्थापित करने एवं संचालित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के अन्तर्गत पहला शिक्षण केन्द्र लखनऊ में मई 2015 से लखनऊ में बिजनौर मार्ग पर बिजली पासी चौराहे के समीप औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग के पार स्थित मानसरोवर योजना के सेक्टर–पी में स्थापित एवं संचालित है जहाँ 35 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्य हेतु दो महिला शिक्षक नियुक्त हैं। इस केन्द्र पर वेतन इत्यादि मिलाकर कुल लगभग एक लाख रुपये का वार्षिक व्यय आता है। इस केन्द्र में बच्चों को साक्षर बनाने के साथ–साथ उन्हें अच्छे संस्कार भी दिए जाते हैं तथा उन्हें उत्साहित करने के उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों के आयोजन भी किए जाते हैं। सदस्यों द्वारा बच्चों को पर्वों के अवसर पर उपहार भी भेंट किए जाते हैं। 06 अक्टूबर, 2018 को श्री बद्री विशाल जी ने सपत्नीक बच्चों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। 24 नवम्बर, 2018 को श्री सौरभ सिंह द्वारा बच्चों को लंच पैकेट वितरित किए गए तथा उसी दिन **भावना** की दिवंगत विशिष्ट सदस्य श्रीमती सरोजनी सिंह की प्रथम पुण्य तिथि पर उनकी सुपुत्री श्रीमती सोनल सिंह द्वारा 34 बच्चों को एवं दो शिक्षिकाओं को जूते एवं मोजों का वितरण किया गया। 05 जनवरी, 2019 को **भावना** के **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ** द्वारा 35 बच्चों एवं दो शिक्षिकाओं को स्वेटर दिए गए एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा मिठाईयों एवं बिस्कुट आदि का वितरण किया गया।

भावना की **एन.सी.आर. शाखा** द्वारा भी इस योजना में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इन्दिरापुरम (गाजियाबाद) के पास कनावनी ग्राम में स्थित **महापंडित राहुल अनौपचारिक विद्यालय** में इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर करने, हैण्डपम्प लगवाने, बच्चों को पुस्तकें आदि प्रदान करने में विगत दो वर्षों में 2.80 लाख रुपए से अधिक का योगदान शाखा के सदस्यों द्वारा किया जा चुका है।

7. **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा योजना:** इस योजना के अन्तर्गत लखनऊ तथा आस पास के क्षेत्रों में **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ** के सदस्यों द्वारा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों की सहायता से निर्धन एवं गरीब लोगों को चिन्हित किया जाता है एवं इन पूर्व चिन्हित लोगों को नये ऊनी कम्बलों का वितरण किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों, नेत्रहीन, विधवा एवं दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाती है। कम्बल वितरण हेतु चिन्हित व्यक्तियों के निवास के समीपस्थ ग्राम में पूर्व–घोषित तिथि व समय पर कार्यक्रम आयोजित करके स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों यथा ग्राम प्रधान आदि की उपस्थिति में पूर्व–चिन्हित व्यक्तियों को एक एक नया ऊनी कम्बल प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित शेष गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को नये–पुराने वस्त्र एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं वितरित की जाती हैं। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शीत ऋतु में निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित करके नये ऊनी कम्बलों एवं नये व पुराने वस्त्रों तथा उपयोग वस्तुओं का वितरण किया गया–

- 15 दिसम्बर, 2018 को ग्राम देवरहीखुर्द, टाउन एरिया बी.के.टी. में 90 कम्बलों एवं पर्याप्त संख्या में पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया।
- 23 दिसम्बर, 2018 को प्रीति नगर, लखनऊ में 80 कम्बलों का एवं कुछ पुराने वस्त्रों का विवरण किया गया।
- 16 जनवरी, 2019 को ग्राम बहराजपुर, ब्लाक बीघापुर, जिला उन्नाव में 209 कम्बलों एवं पर्याप्त संख्या में पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया।
- 28 जनवरी, 2019 को ग्राम अमाईपुर, ब्लाक हसनगंज, जिला उन्नाव में 110 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 02 फरवरी, 2019 को ग्राम कठवारा, चन्द्रिका देवी मन्दिर, टाउन एरिया बी.के.टी. में 105 कम्बलों का वितरण किया गया।

इन कार्यक्रमों में उपस्थित हुए महिलाओं एवं पुरुषों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विविध जनोपयोगी योजनाओं की जानकारी दी गयी ताकि जानकारी के अभाव में वे लाभ से वंचित न रह जायें। इन कार्यक्रमों में लोगों को भारत के संविधान के उन प्राविधानों की जानकारी दी गयी जो ग्रामवासियों से सीधे सम्बन्धित हैं। प्रत्येक कार्यक्रम में सरल हिन्दी में लिखी गयी **"जागो गणराज्य जागो"** नामक पुस्तक की कुछ प्रतियाँ भी वितरित की गयीं। उपस्थित जनसमूहों को स्वच्छता अभियान की जानकारी देने के साथ साथ बिना दवाओं के इस्तेमाल के कैसे स्वस्थ रह सकते हैं, के तौर तरीकों की भी जानकारी देकर जागरूक किया गया।

क्रमशः.....4

8. **<u>विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजनः</u>** प्रत्येक सत्र की तरह इस सत्र में भी **भावना** द्वारा **आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय** तथा **एस.सी. त्रिवेदी मेमोरियल ट्रस्ट चिकित्सालय** के साथ मिलकर सभी आयु के स्त्रियों, पुरुषों तथा बच्चों के लिए रविवार, 10 फरवरी, 2019 को स्वर्ण जयंती स्मृति विहार पार्क, सेक्टर 25, इन्दिरा नगर, लखनऊ में इस **शिविर** का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ **श्री प्रमोद कुमार बजाज, आई.आर.एस., आयुक्त, आयकर विभाग, उत्तर प्रदेश** द्वारा किया गया। **न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार** तथा **न्यायमूर्ति अनिल कुमार** सहित तमाम स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रमुख विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। **80 वर्ष से अधिक आयु के अतिवरिष्ठ नागरिक, श्रीमती पूर्णिमा रेविस (पूर्व अध्यक्ष/प्रबंधक, आई.टी. कॉलेज)** तथा **श्री हृदय नारायण शुक्ल (पूर्व प्रिंसिपल, डी.एस. इन्टर कॉलेज, लखीमपुर खीरी)** परम विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर **भावना** की ओर से माननीया श्रीमती पूर्णिमा रेविस तथा माननीय श्री हृदय नारायण शुक्ल का मुख्य अतिथि द्वारा माल्यार्पण करके, अंग–वस्त्र पहनाकर तथा सम्मान पत्र देकर सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम के संचालक श्री देवकी नंदन 'शांत' ने उनके जीवन के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा उनकी उपलब्धियों के विषय में बताया।

इस शिविर में बच्चों तथा स्त्रियों के विशिष्ट रोगों एवं सामान्य लोगों को होने वाले अन्य रोगों का विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा विधिवत परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार उनकी तत्काल चिकित्सा की गई अथवा परिस्थिति के अनुसार उन्हें चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर में 1816 मरीजों का पंजीकरण किया गया।

शिविर में सभी स्त्रियों एवं पुरुषों ने **फ़ायब्रोस्कैन, एचबीए1सी, हेपेटाइटिस बी, लिपिड प्रोफ़ाइल, मधुमेह, रक्तचाप, ईसीजी, बॉडी वेट, बीएमडी, बीएमआई, थायरॉयड, पीएफ़टी, एलएफ़टी, यूरिक एसिड, प्रोटीन यूरिया, केएफ़टी, एच पायलोरी, डायबेटिक रेटिनोपैथी तथा न्यूरोपैथी सहित लगभग 5,000 रुपए मूल्य के परीक्षण बिल्कुल मुफ़्त कराए। आवश्यकतानुसार उन्हें 5 दिन की दवा भी मुफ़्त दी गई।**

इस शिविर को सफल बनाने में आयोजकों को वृद्ध–रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक शुक्ला, स्त्री–रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिता शुक्ला, अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. कुणाल भल्ला, दंत–रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधान्शु अग्रवाल, फ़िज़ियोथेरेपिस्ट डॉ. अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद एवं एकूपंक्चर विशेषज्ञ डॉ. पार्थ प्रॅतिम, ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. एस.सी. श्रीवास्तव, होम्योपैथी एवं योग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. सिंह, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गुरु सिमरन कौर सहित 40 से अधिक फ़र्मास्यूटिकल एवं डायग्नोस्टिक कम्पनियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

9. **<u>भावना समर्थित प्रसादम सेवा योजनाः</u>** **भावना** की सदस्य संस्था **विजयश्री फाउण्डेशन** द्वारा लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कालेज तथा बलरामपुर चिकित्सालय के परिसर में चिकित्सालय में भर्ती गरीब मरीजों के तीमारदारों को दोपहर का भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रसादम् सेवा कार्य संचालित किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत गरीब मरीजों के डॉक्टरों द्वारा पूर्व चिन्हित तीमारदारों को निःशुल्क सात्विक एवं ताजा भरपेट भोजन स्वच्छ वातावरण में भोजन कक्ष में आसनों पर बैठा कर कराया जाता है। इस सेवा के लिए दोनों स्थानों पर चिकित्सालय प्रशासन द्वारा स्थान उपलब्ध कराए गए हैं तथा बिजली पानी की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है। विजयश्री फाउण्डेशन के सचिव श्री विशाल सिंह के निष्ठापूर्वक कार्य एवं सेवा को देखते हुए उनके अनुरोध पर **भावना** ने इस सेवा को अंगीकार करके यथासम्भव सहायता देने का संकल्प लिया है। वर्तमान में इस योजना के अन्तर्गत लगभग 500 लोग प्रतिदिन भोजन ग्रहण करते हैं। **भावना** द्वारा विजयश्री फाउण्डेशन को प्रसादम सेवा कार्यक्रम हेतु अब तक 8,00,000 रुपये से अधिक का सहयोग दिया जा चुका है, साथ ही 20,000 रुपये मूल्य का रेफ्रीजरेटर एवं 1,30,000 रुपये मूल्य का ई–रिक्शा भी उपलब्ध कराया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, गोमती नगर, लखनऊ में भी यह सेवा अति शीघ्र प्रारम्भ होने वाली है। **भावना** के अनेक सदस्यों द्वारा सीधे विजयश्री फाउण्डेशन को भी इस सेवा में सहयोग किया गया है। इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए संस्था द्वारा एक गुल्लक योजना चालू की गई है जिसमें सेवादारों द्वारा प्रतिदिन एक थाली भोजन (लगभग 35.00 रूपये) का मूल्य गुल्लक में डाल दिया जाता है। **भावना** के सदस्यों द्वारा भी गुल्लक लिया गया है। एक अन्तराल के बाद गुल्लक में एकत्रित हुई धनराशि विजयश्री फाउण्डेशन को दे दी जाती है। **भावना** के सदस्यों द्वारा अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, विवाह की सालगिरह या परिवार के दिवंगत सदस्यों की पुण्यतिथि पर भी सहयोग दिया जाता है।

10. **<u>उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने की योजनाः</u>** **भावना** के आवेदन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस–वे इण्डस्ट्रिल डेवलपमेंट अथॉर्टी (येडा) द्वारा इन्स्टीट्यूशनल प्लाट स्कीम 2016 के अन्तर्गत 3000 वर्गमीटर

क्रमशः.....5

विकसित प्लाट एक उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने हेतु **भावना** की एन.सी.आर. शाखा को आवंटित किया गया था जिसकी कीमत लगभग 1.76 करोड़ रुपए थी। सम्बंधित आवासीय क्षेत्र विकसित होने के बाद येडा ने **भावना** के लिए जो **प्लॉट नं. ओ.ए.एच. 01, पॉकेट जे, सेक्टर 18** आरक्षित किया है उसका वास्तविक क्षेत्रफल 3250 वर्गमीटर है। तदनुसार अब इस प्लॉट का मूल्य भी बढ़ गया है। इस प्लॉट के तीन ओर सड़क है तथा सामने काफी बड़ा पार्क है। यमुना एक्सप्रेस–वे, ईस्टर्न पेरीफ़ेरल एक्सप्रेस–वे, प्रस्तावित पलवल–खुर्जा एक्सप्रेस–वे तथा प्रस्तावित जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा काफी निकट हैं। डी.एन.डी. फ्लाई–वे 45 कि.मी. तथा मथुरा–वृंदावन मात्र 105 कि.मी. दूर हैं। येडा प्रशासन से यथा आवश्यक धनराशि जमा करके मार्च, 2019 के अंत तक लीज़ डीड हस्ताक्षरित करने हेतु पत्र प्राप्त हो चुका है। लीज़ डीड हस्ताक्षरित होते ही प्लॉट का कब्जा **भावना** को मिल जाएगा। उसके साथ ही वृद्धाश्रम का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो जाएगा। इस वृद्धाश्रम प्रोजेक्ट का सम्पूर्ण विवरण तत्सम्बंधी ब्रोशर में उपलब्ध है। ब्रोशर रजिस्ट्रेशन काउन्टर पर उपलब्ध हैं।

11. **रेजिंग होप्स वृद्धाश्रमः** **भावना** की सदस्य संस्था, **कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी**, भवन संख्या सी–10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन लखनऊ में इस वृद्धाश्रम का संचालन कर रही है। इस में आरामदायक कमरे, उत्तम भोजन एवं नर्सिंग के साथ सामान्यतः 12,000 रुपए प्रति माह डारमेटरी व्यवस्था में एवं 18,000 रुपए प्रति माह स्वतंत्र कमरे में रहने की सुविधा प्रदान की जाती है, लेकिन **भावना** के सदस्यों के लिए यह सुविधा रियायती दर पर क्रमशः 10,000 रुपए एवं 16,000 रुपए प्रति माह पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त **कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी** ने **भावना** के सदस्यों के लिए लखनऊ में किसी अस्पताल से घर, घर से अस्पताल या किसी एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में ले जाने एवं लाने हेतु एक नई एम्बुलेंस 500 रुपए प्रति ट्रिप में देने की सुविधा भी प्रदान की हुई है।

12. **भावना बहुउद्देशीय वरिष्ठ नागरिक डे–क्लबः** वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक जानकारी एवं मनोरंजन उपलब्ध कराने हेतु **भावना** का यह क्लब सी–10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित है। इस सेन्टर पर **भावना** के विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठकें तो समय–समय पर अवश्य हुआ करती हैं, किन्तु सामान्य गतिविधियां शून्य ही हैं। यही स्थिति तब भी थी जब यह क्लब प्रियदर्शिनी कॉलोनी में स्थापित था। समिति के सदस्यों में तथा आस पास के अन्य वरिष्ठ नागरिकों में भी इस प्रकार के क्लब में आने में रुचि नहीं प्रतीत होती है। इसलिए अब समिति के इस कार्यक्रम को बंद करने पर विचार किया जा रहा है।

13. **भावना चैरिटेबल फिजियोथेरेपी क्लीनिकः** **भावना** का यह क्लीनिक भी सी–10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित है। **भावना** के वॉलन्टरी सदस्य **डॉ. अमित सिंह** द्वारा यह क्लीनिक शून्य लाभ–हानि के आधार पर संचालित किया जा रहा है। इस क्लीनिक में सभी प्रकार के उपकरण यथा Shortwave Diathermy, Interferencial Therapy, Ultrasound Therapy, Muscle Stimulator, Combo Therapy, Traction Unit, Wax Bath, Quadriceps Chair, Shoulder Wheel आदि उपलब्ध है। सभी उपकरण **भावना** को Helpage India के सौजन्य से निःशुल्क प्राप्त हैं। इस क्लीनिक में भी मरीजों की आमद कम है। इसलिए इसे भी पूर्व परिसर भवन संख्या 534/89 के ए–1, सेक्टर–एम, अलीगंज, लखनऊ में ही स्थानांतरित करने पर विचार किया जा रहा है।

14. **महिला सशक्तिकरण के कार्यः** महिलाओं में स्वावलम्बन एवं सहयोग की सोच बलवती कराने तथा निर्धन एवं निरक्षर महिलाओं एवं बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कराने के लिए **भावना** की महिला सदस्यों द्वारा संचालित **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** अत्यन्त सक्रिय है। यह प्रकोष्ठ वृद्धाश्रमों एवं बालिकाओं के स्कूलों में निर्धन एवं जरूरतमंद बालिकाओं एवं महिलाओं को नवरात्रि, मकरसंक्रान्ति, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा अन्य त्योहारों पर खान–पान एवं उनके उपयोग की अन्य वस्तुओं का वितरण कर उन्हें सहयोग प्रदान करता है। **भावना** के स्थापना दिवस के अवसर पर समिति से आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले बच्चों को इस प्रकोष्ठ द्वारा उनके उपयोग की अनेकों वस्तुएं उपहार में दी जाया करती हैं। **भावना** के होली मिलन उत्सव, नववर्ष उत्सव एवं तीजोत्सव के आयोजनों को सफल बनाने में इस प्रकोष्ठ का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं सराहनीय हुआ करता है।

15. **सहयोग एवं सेवा कार्यक्रमः** **भावना** ने लखनऊ नगर में अपने सदस्यों एवं अन्य बुजुर्गों की देखभाल एवं उनसे निरन्तर सम्पर्क बनाये रखने के उद्देश्य से **सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ** का गठन किया हुआ है। प्रकोष्ठ के सदस्यों को 10 अलग अलग इलाकों का दायित्व सौंपा गया है। इस प्रकोष्ठ द्वारा आपात् स्थिति में यथासम्भव सहयोग

क्रमशः.....6

करने, एकाकी जीवन जी रहे वरिष्ठ नागरिकों को सहयोग प्रदान करने, समिति के दिवंगत पुरुष सदस्यों की विधवाओं से सम्पर्क कर उनकी देखभाल करने, सदस्यों हेतु पिकनिक एवं गोष्ठियों की व्यवस्था करने, सदस्यों के जन्मदिन एवं विवाह की वर्षगांठ पर शुभकामना प्रेषित करने तथा वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन करने के कार्य किए जात हैं।

16. **पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमः** दिनों दिन बढ़ते वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण तथा जल प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए एवं विशेषकर वृद्ध जनों के स्वास्थ्य पर इसके कुप्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए **भावना** ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से **पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ** का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य गोष्ठियों तथा वृक्षारोपण इत्यादि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं प्रदूषण की रोकथाम हेतु उचित लाभकारी उपायों के बारे में सुझाव देना है। विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2018 को एक भव्य समारोह वृक्ष कल्याणम् सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रकोष्ठ द्वारा कपड़ों के थैलों का इस्तेमाल करने, प्लास्टिक का बहिष्कार, जल संसाधन का दुरुपयोग रोकने इत्यादि पर बल दिया। 15 अगस्त, 2018 को आर्ष गुरूकुल, जानकीपुरम विस्तार में पौधारोपण किया एवं गोष्ठी में प्रकोष्ठ के सचिव श्री पाल प्रवीण ने अपने उद्‌बोधन से **भावना** के पर्यावरण संरक्षण सम्बंधी कार्यक्रमों की जानकारी दी। 20 अगस्त, 2018 को एल्डिको झील, रायबरेली रोड में 50 पौधों का रोपण किया गया एवं गोष्ठी आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण के सम्बन्ध में एवं **भावना** के अन्य कार्यकलापों की संक्षिप्त जानकारी दी गयी। 22 अगस्त, 2018 को हनुमान मन्दिर, बाबूगंज में भारत विकास परिषद, निराला नगर, के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के सचिव तथा अन्य सदस्यों ने भाग लिया एवं वृक्षारोपण किया। इसके अतिरिक्त कई जगहों पर यज्ञ–हवन एवं गोष्ठियों के माध्यम से पर्यावरण को बचाने एवं प्रदूषण को मिटाने हेतु प्रार्थना सभायें की गईं।

17. **वैकल्पिक चिकित्सा कार्यक्रमः** **भावना** की मान्यता है कि सामान्यतः जब तक अपरिहार्य न हो तब तक लोगों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति से इलाज कराने से बचना चाहिए क्योंकि इस पद्धति से इलाज के दुष्परिणाम बहुत हैं। समिति का **वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ** इसी मान्यता पर कार्य करता है। प्रकोष्ठ के सचिव डॉ. नरेन्द्र देव, अन्य सदस्यों एवं अनुभवी लोगों के साथ मिलकर समय–समय पर गोष्ठियाँ, सेमिनार तथा प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर लोगों को बिना औषधि के स्वस्थ रहने के उपाय बताते हैं। उनके द्वारा एक्यूप्रेशर चिकित्सा के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जाती है तथा प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इस वर्ष उनके द्वारा लखनऊ में 5 भिन्न भिन्न स्थानों पर बिना दवा के कैसे स्वस्थ रहें एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिये गये जिनमें 89 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उनके द्वारा लखनऊ में ही निम्नलिखित विवरण के अनुसार जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये गये:–

क्रमांक	स्थान	प्रतिभागी	दिनांक
1.	केन्द्रीय विद्यालय बक्शी–का–तालाब	150	21.02.2018
2.	जीसीआरजी ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन	130	10.03.2018
3.	होटल मैनेजमेंट स्कूल, लखनऊ	400	30.07.2018
4.	जयपुरिया इंस्टीट्यूट, लखनऊ	400	08.08.2018
5.	IAS/IPS प्रशिक्षण केन्द्र लखनऊ	32	18.08.2018
6.	लॉ कालेज, जानकीपुरम, लखनऊ	250	18.08.2018
7.	के0एन0 डिग्री कॉलेज, सुल्तानपुर	200	31.08.2018
8.	सरस्वती विद्या मन्दिर, बाराबंकी	440	23.10.2018
9.	केन्द्रीय स्कूल, एसजीपीजीआई लखनऊ	150	01.12.2018
10.	केन्द्रीय विद्यालय, आरडीएसओ लखनऊ	150	17.12.2018

19 अगस्त, 2018 को **भावना** के स्थापना दिवस के अवसर पर जो प्रधानाचार्य या हेडमास्टर आये हुए थे उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जानकारी और कैसे शराब, गुटखा, मसाला की आदत छोड़ी जाये से सम्बन्धित फोल्डर दिए गये थे। **भावना** के विभिन्न ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा शिविरों में उपस्थित हुए लोगों को स्वच्छता एवं जीवन शैली को सुधार कर औषधियों के बिना बीमारियों से बचने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

18. **सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनः** **भावना** के सदस्यों एवं उनके परिजनों के सामूहिक मेल मिलाप तथा मनोरंजन के उद्देश्य से नववर्ष मिलन एवं होली मिलन के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन कार्यक्रमों की संरचना एवं प्रस्तुति **सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ** तथा **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** द्वारा

क्रमशः.....7

मिलकर की जाती है। इन कार्यक्रमों में सदस्यों एवं उनके परिवारी जनों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लिया जाता है। 13 मार्च, 2018 को **भावना परिवार** का **होली मिलन समारोह** डिप्लोमा इंजीनियर फेडरेशन के संघ भवन प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। यह परिसर **भावना** को माननीय सचिव श्री अमरनाथ जी के व्यक्तिगत प्रयास से निःशुल्क उपलब्ध हुआ। सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ एवं महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के सदस्यों एवं अन्य सदस्यों ने नृत्य, गीत, गजल, नाटिका, होली गीत आदि रोचक ढंग से प्रस्तुत किये। 06 दिसम्बर, 2018 को लोरेन्टो कान्वेन्ट स्कूल के छात्र काउंसिल ने अपने सभागार में बुजुर्गों के सम्मान में एक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें **भावना** के सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित क्रिया गया था। उस कार्यक्रम में **भावना** की ओर से श्री देवकी नन्दन 'शान्त', श्री अशोक कुमार मेहरोत्रा, श्री सुशील कुमार शर्मा एवं डॉ. नरेन्द्र देव ने अपनी अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से बच्चों का मनोरंजन किया। **भावना परिवार** का **नव–वर्ष अभिनन्दन** का रंगारंग कार्यक्रम गोयल फार्म हाउस, कुर्सी रोड, लखनऊ में रविवार, 06 जनवरी, 2019 को आयोजित किया गया। यह परिसर सदा की तरह ही **भावना** के माननीय संप्रेक्षक श्री मनोज कुमार गोयल तथा सचिव श्रीमती अर्चना गोयल के सौजन्य से निःशुल्क उपलब्ध हुआ था।

19. **भावना के प्रकाशनः** प्रकाशन सम्बन्धी कार्य **भावना** के **सम्पादन प्रकोष्ठ** द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं। **भावना** के त्रैमासिक मुख्यपत्र **भावना संदेश** का सम्पादन एवं प्रकाशन गत 18 वर्षों से नियमित रूप से किया जा रहा है तथा इसके माध्यम से समिति की गतिविधियों की जानकारी तथा शासन द्वारा समय–समय पर निर्गत शासनादेशों एवं योजनाओं की जानकारी सदस्यों को उपलब्ध कराई जाती है। पत्रिका में सम–सामयिक, साहित्यिक एवं अध्यात्मिक रचनाओं का प्रकाशन भी होता है। **भावना** अपने सदस्यों द्वारा रचित कई पुस्तकों/पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी कर चुकी है। इनमें भावना संदेश के पूर्व सम्पादक स्वर्गीय धर्मवीर सिंह की तीन पुस्तकें, वर्तमान सदस्य श्री उदयभान पाण्डेय की एक पुस्तक तथा डॉ. नरेन्द्र देव की एक पुस्तिका उल्लेखनीय हैं।

20. **विधिक एवं आर.टी.आई. सम्बन्धी कार्यः** **भावना** द्वारा **सूचना का अधिकार कानून** का सार्थक एवं सकारात्मक उपयोग करके जनसाधारण, विशेषकर सदस्यों, को जो सरकारी तंत्र की उपेक्षा के कारण कठिनाईयां महसूस करते हैं, उन्हें सहायता पहुंचाने का कार्य किया जाता है। सदस्यों की मांग पर विधिक परामर्श भी दिया जाता है। सदस्यों को अपनी वसीयत बनाने हेतु प्रेरित किया जाता है एवं वसीयत बनाने में उनकी सहायता भी की जाती है। इन दायित्वों का निर्वहन **भावना** का **विधि एवं आर.टी.आई. प्रकोष्ठ** करता है।

21. **संसाधन प्रबन्धनः** यद्यपि सामान्यतः अपने अपने कार्यक्रमों के लिए संसाधनों का प्रबन्ध सम्बन्धित प्रकोष्ठ ही करते हैं तथापि **भावना** के विशेष बड़े कार्यक्रमों हेतु संसाधनों को जुटाने के उद्देश्य से **संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ** भी गठित है।

22. **एडवोकेसीः** **भावना** द्वारा वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निर्धन बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाली कुछ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी जाती है ताकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं राज्यों के स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एक रूपता हो। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **भावना** तमाम संस्थाओं से जुड़ी है तथा भावना ने तमाम संस्थाओं को अपने साथ जोड़ा है। तत्सम्बंधी विवरण ऊपर पृष्ठ 2 के प्रस्तर 1 पर अंकित है। अपने उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के समुचित प्रचार प्रसार हेतु **भावना** ने अपनी वेबसाईट नए सवंर्धित कलेवर में री–लांच की है। यह वेबसाइट लगभग रोजाना ही अपडेट की जाया करती है। ये सभी कार्य **भावना** के **वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ** द्वारा निष्पादित किए जाते हैं।

23. **विभिन्न अस्पतालों/चिकित्सकों के साथ दीर्घकालीन अनुबन्धः** अपने सदस्यों को सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधायें नगण्य दरों पर उपलब्ध कराने हेतु **भावना** द्वारा लखनऊ में **आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय, अवध मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, सुधा डेन्टल क्लीनिक** तथा **स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान** के साथ दीर्घकालीन अनुबन्ध किये गये हैं। **भावना** के लखनऊ निवासी अधिकतर सदस्य इन सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं।

24. **अति वरिष्ठ सदस्यों का सार्वजनिक अभिनन्दनः** **भावना** के प्रत्येक वार्षिक महाधिवेशन के अवसर पर उस समय तक 80 वर्ष तथा अधिक आयु प्राप्त कर चुके सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित करके उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया जाता है तथा उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घ आयु की कामना की जाती है। आज इस महाधिवेशन में भी ऐसे सदस्यों को आमंत्रित किया गया है, उनमें से उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है।

25. **भावना के संवैधानिक दायित्वः** नियमावली के अनुसार प्रतिवर्ष **भावना** की प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें होनी

क्रमशः.....8

चाहिए। तद्नुसार विगत महाधिवेशन के बाद से अबतक प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें आयोजित हुईं। **भावना** की वार्षिक आम सभा की बैठक (वार्षिक महाधिवेशन) भी हर वर्ष निर्धारित समय पर आयोजित होती चली आ रही है।

- **भावना** के आय–व्यय का वार्षिक लेखा (Balance Sheet) नियमानुसार समय से संप्रेक्षक एवं चार्टर्ड एकाउन्टेंट से प्रमाणित कराया जाता है तथा आयकर रिटर्न भी हर वर्ष समय से जमा किया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित आय–व्यय का बजट वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्य योजना वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराई जाती है। गत वार्षिक आम सभा द्वारा अनुमोदित वर्तमान लेखा वर्ष की कार्य योजना की प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जिन योजनाओं/कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प लिया गया था उन पर प्रभावी कार्यवाही करके जारी रखा गया है और आगे भी जारी रखा जायेगा। संसाधनों की कमी के कारण कुछ कार्य सम्पन्न नहीं हो पाये हैं। उन्हें आगामी वर्ष में पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा।

26. **<u>भावना के सदस्यों द्वारा अर्जित विशिष्ट उपलब्धियां व अनुकरणीय कार्य</u>:**

भावना–सदस्यों की निम्नलिखित उपलब्धियाँ न केवल अनुकरणीय व प्रेरणादायक है अपितु **भावना** के संकल्प गीत को पूर्णतः चरितार्थ भी करती हैं:

- **भावना** के संरक्षक सदस्य, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (निवर्तमान) श्री विजय कृष्ण शुंगलू को भारत सरकार द्वारा इस वर्ष **पद्म–भूषण सम्मान** से सम्मानित किया गया।
- राजभवन, लखनऊ में इस वर्ष 2018–19 में आयोजित पुष्प एवं शाकभाजी प्रदर्शिनी के निर्णायक दल में एक निर्णयकर्ता **भावना** के महासचिव(कार्यान्वयन) श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह थे। उल्लेखनीय है कि इस प्रदेश स्तरीय वार्षिक प्रदर्शिनी की आयोजन समिति के अध्यक्ष महामहिम राज्यपाल हैं तथा सचिव, माननीय मुख्य सचिव जी हैं।
- 18 जनवरी, 2019 को **भावना** के विशिष्ट सदस्य, ख्याति–प्राप्त आयुर्वेदाचार्य, डॉ. अजय दत्त शर्मा को भारत सरकार के आयुष एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा लाइफ–टाइम एचीवमेंट एवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान माननीय मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा समारोह पूर्वक दिया गया।
- विश्व वृद्ध दिवस, 01 अक्टूबर, 2018 को आयोजित समारोह में **भावना** के माननीय अध्यक्ष, श्री विनोद कुमार शुक्ल को आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय द्वारा लाइफ–टाइम एचीवमेंट एवार्ड से सम्मानित किया गया।
- 25 मई, 2018 को **भावना** की विशिष्ट सदस्य, डॉ. (श्रीमती) ऊषा बाजपेयी को NISSTA, Chandigarh द्वारा आयोजित Asian Conclave of Sugar Millers, Vision- 2022 में Solar Energy Excellence Award for Solar Energy Utilization in Rural Areas से सम्मानित किया गया।

मान्यवर, विगत दिनों **भावना** ने अपने निम्नांकित सम्मानित सदस्यों को खो दिया है। वे काल के ग्रास बन गए हैं। **भावना** के लिए यह अपूरणीय क्षति है। फिर भी इसे नियति का चक्र मानकर तसल्ली करने के अलावा हमारे पास कोई अन्य विकल्प नहीं है–

विशिष्ट/संरक्षक सदस्य श्री चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, विशिष्ट/संरक्षक सदस्य श्री राकेश कुमार मित्तल, आजीवन सदस्य श्री रजनी कान्त, आजीवन सदस्य श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह, आजीवन सदस्य श्री कमला शंकर अवस्थी, आजीवन सदस्य श्री लाल बहादुर श्रीवास्तव, आजीवन सदस्य श्रीमती शशि प्रभा श्रीवास्तव, आजीवन सदस्य श्री देवेन्द्र शास्त्री, आजीवन सदस्य प्रो. वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, आजीवन सदस्य श्री अनिल कुमार पाण्डेय तथा आजीवन सदस्य श्री बाबू राम चौधरी।

अभी कुछ देर बाद ही समिति की साधारण सभा की बैठक का आंतरिक सत्र प्रारम्भ होगा। उस सत्र में समिति के नये पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न होगा। तदुपरान्त नई प्रबन्धकारिणी गठित हो जायेगी। नव निर्वाचित प्रमुख महासचिव, महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन) तथा महासचिव(एडवोकेसी) समिति के भावी कार्यक्रमों के विषय में आपसे अवश्य ही चर्चा करेंगे। मैं अपनी ओर से मात्र इतना ही और कहना चाहता हूँ कि आपके हित के तथा आपके माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के हित के तमाम कार्य करने के लिए प्रबन्धकारिणी को आपका सर्वांगीण सक्रिय सहयोग मिलना परम आवश्यक है। तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, तभी हम पुनः नये लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे, तभी हम यह सिलसिला लगातार जारी रख सकेंगे, तभी हम समिति को तथा समिति के सदस्यों को उत्तरोत्तर प्रगति–पथ पर ले जा सकेंगे, तभी हम समिति की पहचान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कराए रखने में सफल होंगे। प्रबन्धकारिणी को आपका आशीर्वाद, आपकी शुभकामनायें, आपका सहयोग एवं समिति के दृष्टिकोंण तथा उद्येश्यों के प्रति आपका समर्पण, सभी कुछ चाहिए।

क्रमशः.....9

वर्तमान सत्र में जो सहयोग माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदय से मुझे तथा महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन) एवं महासचिव(एडवोकेसी) को प्राप्त हुआ है उसके लिए मुझ सहित तीनों महासचिव उनके अत्यन्त आभारी हैं। समय–समय पर उनके द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों एवं परामर्शों से ही हम लोग अपने दायित्वों का निर्वहन कर सके। हम लोग चारों उपमहासचिवों, कोषाध्यक्ष जी, सह–कोषाध्यक्ष जी, सम्प्रेक्षक जी तथा प्रबन्धकारिणी के सभी अन्य सदस्यों के भी हृदय से आभारी हैं। उनके सहयोग से ही हम अपने कर्त्तव्यों का पालन कर सके। मैं अपनी ओर से तथा तीनों महासचिवों की ओर से समिति के सभी सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिनकी प्रेरणा ने ही हम लोगों को अपने अपने कार्यों को निस्तारित करने का हौसला प्रदान किया है। मान्यवर, समिति की उपलब्धियाँ आप सबके सहयोग तथा माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदय के कुशल निर्देशन में समिति के पदाधिकारियों के सम्मिलित प्रयासों से ही संभव हो सकी हैं। समिति की विफलताओं के लिए हम चारों व्यक्तिगत रूप से स्वयं को ही दोषी मानते हैं। कुछ न कुछ कमी हम लोगों के प्रयासों में अवश्य ही रही है जिसके कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं योजनाओं का कार्यान्वयन नहीं हो सका है। बिना कुछ सफ़ाई दिए इन असफलताओं के लिए मैं अपनी ओर से तथा तीनों महासचिवों की ओर से भी सदन से करबद्ध क्षमा माँगता हूँ।

मैं अपनी बात डॉ. विमला रानी जी की इन प्रेरक पंक्तियों के साथ समाप्त करता हूँ :–

दूर है मंज़िल हमारी, क्या हुआ, मुस्कुराकर ही बढ़ेंगे हम सदा।
फिक्र बाधाओं की हम करते नहीं, आस का दीपक हृदय में है जला।।

वर्तमान वर्ष तथा आने वाले अनेकानेक वर्ष आप सभी को, परिजनों, बन्धु–बान्धवों तथा इष्ट मित्रों सहित सब प्रकार से कल्याणकारी हों, इस मंगल कामना के साथ, आपको बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय भावना, जय भारत।

(राम लाल गुप्ता)
प्रमुख महासचिव